Nai Dunia (Indore), 20th September 2022, Page – 03

आइआइटी में नहीं हुआ सरोवर का निर्माण

लापरवाही ● कलेक्टर ने जिम्मेदार अफसरों को फटकारा, काम की जांच बैठाई

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में साढ़े पांच करोड़ रुपये की लागत से सरोवर और पार्क का निर्माण किया जाना था, लेकिन प्रदेश के ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग (आरइएस) और जिला पंचायत की लापरवाही से नहीं हो पाया है। कलेक्टर के निर्देश के बावजूद ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी औपचारिकता में उलझे रहे और वर्षा का यह मौसम बीत गया। प्रदेश सरकार के ग्रामीण विकास विभाग का रास्ता देखते-देखते आइआइटी ने तीन महीने पहले आरइएस के हिस्से का काम शुरू कर दिया था। जब तक आरइएस सरोवर निर्माण का अपने हिस्से का काम नहीं कर पाएगा, तब तक आइआइटी पार्क और अन्य निर्माण नहीं कर पाएगा।

सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में समय सीमा के मामलों की बैठक में यह मुद्दा चर्चा का प्रमुख विषय रहा। कलेक्टर मनीष सिंह ने इस लापरवाही पर आरइएस के कार्यपालन यंत्री एसके सोलंकी को खासी फटकार लगाई। कार्रवाई न होने पर जिला पंचायत सीईओ वंदना शर्मा और महू एसडीएम अक्षत जैन पर भी नाराजगी जाहिर की। कलेक्टर ने महू क्षेत्र में आरइएस के इंजीनियरों द्वारा एक साल में कराए गए विकास कार्यों की जांच के निर्देश भी एसडीएम को दिए। बैठक में आइआइटी के रजिस्ट्रार एसपी होता सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

आइआइटी परिसर में प्रशासनिक भवन के पास सरोवर निर्माण का शुभारंभ तीन महीने पहले किया गया था। ● नईदुनिया

केंद्रीय मंत्री प्रधान की सांसद निधि से मिले हैं एक करोड़

दरअसल, आइआइटी में सरोवर निर्माण के लिए केंद्रीय मंत्री व राज्यसभा सांसद धर्मेंद्र प्रधान ने सांसद निधि से एक करोड़ रुपये दिए हैं। यह काम राज्य शासन की एजेंसी के रूप में आरइएस को दिया गया है। इसमें आरइएस की ओर से सरोवर की खोदाई, सरोवर के तल में कांक्रीट और घाट के रूप में सीढ़ियां बनाने का कार्य किया जाना है। बताया जाता है यह राशि न आने से आरइएस हाथ पर हाथ धरे बैठा रहा और टेंडर भी नहीं निकाले। प्राथमिकता का कार्य होने से जिला प्रशासन इस कार्य को जल्दी कराना चाहता था। इसके लिए जिला पंचायत और आरइएस के अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे, लेकिन उन्होंने इसे बहुत हल्के में लिया। नतीजतन वर्षा के पहले काम शुरू नहीं हो पाया। आइआइटी ने अपने स्तर पर ही कुछ खोदाई की है। योजना में साढ़े चार करोड़ रुपये से सरोवर के चारों ओर पार्क निर्माण और अन्य विकास कार्य आइआइटी अपनी निधि से करेगा।

आइआइटी में सरोवर निर्माण में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अधिकारियों की लापरवाही सामने आई है। अधिकारियों को जल्द ही कार्य के टेंडर जारी करने के निर्देश दिए हैं। महू क्षेत्र में आरइएस के कार्यों को लेकर कई शिकायतें भी मिल रही हैं। इनकी जांच के निर्देश भी महू एसडीएम को दे दिए गए हैं।

– मनीषसिंह, कलेक्टर